Scanned with CamScanner

1 क विक्टोरिया टर्मिनल कहाँ है तथा इसका वर्तमान नाम क्या है?

उत्तर- विक्टोरिया टर्मिनल मुंबई का प्रमुख रेलवे स्टेशन है। 1996 ई० में तत्कालीन रेलमंत्री सुरेश कलमाडी ने विक्टोरिया टर्मिनल का नाम बदलकर 'छत्रपति शिवाजी टर्मिनल' नाम कर दिया। यह भारत का सबसे खूबसूरत स्टेशन है। यह वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह डिताइनर और कटाक्ष शैली की इमारत है।

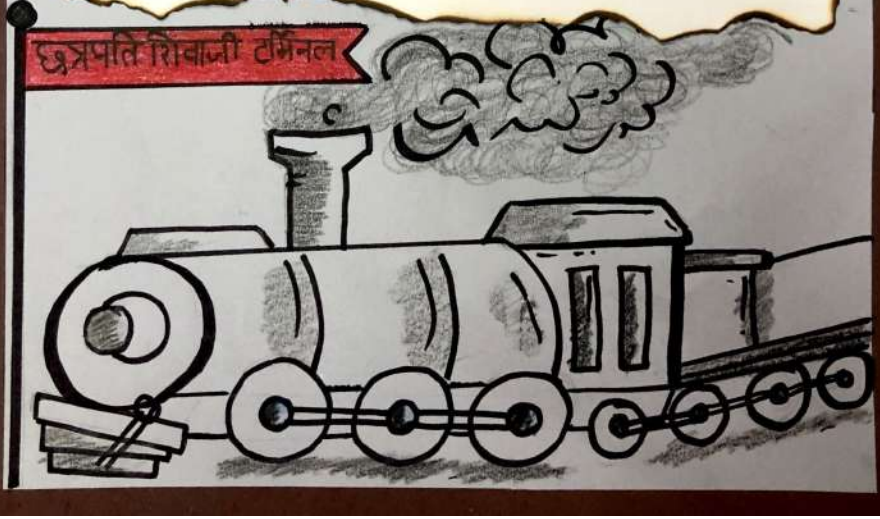

Scanned with CamScanner

(ख) धनगर गाजा क्या है ?

उत्तर- धनगरी गाजा महाराष्ट्र के सबसे प्रसिद्ध लोक नृत्यों में से एक है। यह सोलापुर जिले के चरवाहों द्वारा किया जाता है जिन्हें धनगर के नाम से भी जाना जाता है। शेफर्ड के भगवान को खुश करने और उनका आशीर्वाद के लिए धनगड़ी गज लोक नृत्य को अंजाम दिया जाता है। धनगर लोग भेड़ बकरियाँ चराते हैं और इनकी जिंदगी अधिकांश रूप से प्रकृति के आस-पास ही बीतती है। प्राय: ये गीत शायरी के रूप में होते हैं।

Scanned with CamScanner

"कोरोना बनाम बेरोजगारी"

गीता, रीमा और मैं घनिष्ठ सहेलियाँ हैं। हम सभी एक कक्षा में पढ़ते हैं। पिछले रविवार को हम सब एक वेबिनार में शरीक थे। वहाँ कोरोना महामारी का जो प्रकोप फैला है उसके बारे में भी चर्चा हो रही थी।

गीता → वर्तमान समय में 'कोरोना महामारी' के कारण बहुत-सी ऐसी समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं जिन्हें दूर करने की अत्यन्त आवश्यकता है।

रीमा → आज देश की सबसे बड़ी समस्या है रोजगार का ठप्प हो जाना। इस कारण बेरोजगारी बढ़ गई है। एक तरफ बड़े-बड़े उद्योग धंधे बंद हो गए हैं, दूसरी तरफ छोटे-मोटे रोजगार करने वाले मजदूर-वर्ग का भी काम-काज ठप्प पड़ गया है। इस कारण सभी की आर्थिक स्थिति डाँवाडोल हो गई है। अमीर हो या गरीब सभी अपने-अपने घरों में हाथ पर हाथ कर बैठ गए हैं।

मैं → इसलिए तो महँगाई भी बढ़ गई है। सभी चीजों के दाम बढ़ गए हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाना पड़ेगा। साथ ही आम जनता को भी लॉकडाउन का नियम पालन करने के साथ-साथ कोरोना से बचने का उपाय भी करना होगा। जब हम सभी मिलकर इस कोरोना को हरा देंगे तभी लोगों का काम धंधा फिर से शुरू हो जाएगा। कारखाने, मॉल, ऑफिस सभी खुल जाएँगे और गरीब मजदूर-वर्ग भी अपना-अपना काम शुरू कर पाएँगे।

मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि जल्दी ही इस 'कोरोना महामारी' से छुटकारा मिले और देश की आर्थिक समस्या एवं अन्य सभी समस्याओं में सुधार आए।

Scanned with CamScanner

....चलचित्र के बढ़ते कदम....

भारतीय सिनेमा जगत की पहली फिल्म (1913) 'राजा हरिश्चंद्र' बनी।

भारतीय सिनेमा के जनक थे – दादा साहब फाल्के। इनका असली नाम धुंडिराज गोविंद फाल्के था। उनका जन्म महाराष्ट्र के नासिक के निकट त्र्यंबकेश्वर में 30 अप्रैल 1870 को हुआ था।

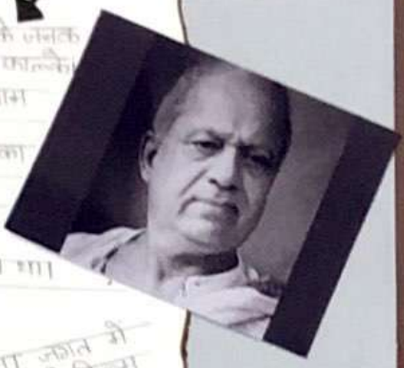

भारतीय सिनेमा जगत में पहली बोलने वाली फिल्म थी – आलम-आरा। इसके निर्देशक थे अर्देशिर ईरानी। इस फिल्म का प्रथम प्रदर्शन मुंबई के मैजेस्टिक सिनेमा में 14 मार्च 1931 को हुआ था।

भारतीय सिनेमा जगत की पहली रंगीन फ़िल्म 'किसान कन्या' थी जो 1937 में प्रदर्शित हुई। जिसका निर्देशन 'मोती.बी. गिडवानी' और निर्माण आर्देशिर ईरानी ने किया था।

भारतीय सिनेमा जगत का स्वर्ण-युग था – 1951-60 मुगल-ए-आजम, मदर इंडिया, प्यासा, कागज के फूल, दो बीघा जमीन, दो आँखें बारह हाथ जैसी प्रसिद्ध फिल्मों का निर्माण हुआ।

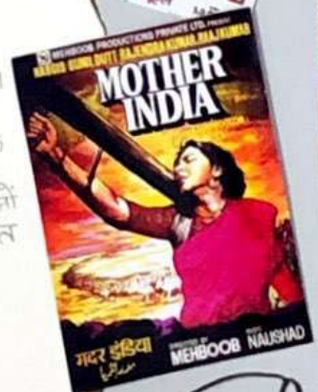

सिनेमा का आम जनता पर प्रभाव

वर्तमान समय में सिनेमा ने उद्योग रूप ले लिया है। परन्तु इसने हमें न केवल मनोरंजन ही दिया है बल्कि शिक्षा भी दी है। इसलिए यह जनमानस की भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

ये जिन्दगी का रंगमंच है
दोस्तो, यहाँ हर एक को
नाटक करना पड़ता है।

Scanned with CamScanner